Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day National Seminar on 'Understanding Jammu & Kashmir and Ladakh: Article 370 and After'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-12-2022**

सेमिनार

हकेंविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

अनुच्छेद 370 खत्म होने से विकास को मिली गति : प्रो. अग्निहोत्री

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में मंगलवार को अनुच्छेद 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केसी अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभागाध्यक्रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सह-आचार्य डॉ. शांतेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि अंडरस्टैंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाख : आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों व शोधार्थियो के माध्यम से सेमिनार के उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा।

प्रो. केसी अग्निहोत्री को श्रीफल देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

मुख्य अतिथि प्रो. केसी अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न विषयों को लेकर बनने वाले दृष्टिकोण के निर्धारण में शब्दावली के उपयोग को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में इसके भौगोलिक महत्व के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और भारत के संदर्भ में क्षेत्र विशेष की महत्ता को स्पष्ट किया। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख से लगे गिलगित, बाल्टिस्तान क्षेत्र के माध्यम से भारत के लिए मध्य एशिया का रास्ता खुलता है और यहां बनी परिस्थितियां भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लॉर्ड माउंटबेटन, शेख अब्दुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रमाणों के आधार पर उस समय की परिस्थितियों और उसके चलते जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के लागू होने और उससे मूल निवासियों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए मौजूदा परिस्थितियों में इसके हटने से आए बदलावों का उल्लेख किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस दो दिवसीय आयोजन में होने वाले मंथन को धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बदली परिस्थितियों के मूल्यांकन में मददगार बताया और कहा कि अवश्य ही इस विषय में शोध कर रहे विद्यार्थियों को इस आयोजन से लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन सेमिनार के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने किया। जिसमें प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बीपी सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। जिनमें विभिन्न विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-12-2022**

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरूआत

धारा 370 खत्म होने से जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के विकास को मिली गति : प्रो. के.सी. अग्निहोत्री

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में मंगलवार को धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.सी. अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि अंडरस्टेंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाख आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है। प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लॉर्ड माऊंट बेटन, शेख अबदुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बी.पी. सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। जिनमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रो. के.सी. अग्निहोत्री

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-12-2022**

अनुच्छेद-370 हटने से विकास को मिली गति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को अनुच्छेद-370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केसी अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सहआचार्य डा. शांतेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि अंडरस्टैंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाखः आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन में सम्मलित विशेषज्ञों व शोधार्थियों के माध्यम से सेमिनार के उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. केसी अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न विषयों को लेकर बनने वाले दृष्टिकोण के निर्धारण में शब्दावली के उपयोग को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में इसके भौगोलिक महत्त्व के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और भारत के संदर्भ मे क्षेत्र विशेष की महत्ता को स्पष्ट किया। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख से लगे क्षेत्र के माध्यम से भारत के लिए मध्य एशिया का रास्ता खुलता है और यहां बनी परिस्थितियां भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लार्ड माउंट बेटन, शेख अब्बदुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रमाणों के आधार पर उस समय की परिस्थितियों और उसके चलते जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 के लागू होने और उससे मूल निवासियों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए मौजूद परिस्थितियों में इसके हटने से आए बदलावों का उल्लेख किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस दो दिवसीय आयोजन में होने वाले मंथन को अनुच्छेद-370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बदली परिस्थितियों के मूल्यांकन में मददगार बताया और कहा कि अवश्य ही इस विषय में शोध कर रहे विद्यार्थियों को इस आयोजन से लाभ मिलेगा। सवाल-जवाब सत्र का संचालन सेमिनार के संयोजक डा. राजीव कुमार सिंह ने किया। इसमें प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियो के सवालों के जवाब दिए। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बीपी सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय मे आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के मुख्य अतिथि प्रो. केसी अग्निहोत्री (दाएं) का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे हकेंवि के प्रो. हरीश कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. हरीश कुमार 14 से 16 दिसंबर तक आइआइटी इंदौर में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस में अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। इस कान्फ्रेंस के लिए उनको विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

प्रो. हरीश कुमार ●

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर ने प्रोफेसर हरीश को इस अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस में विशेष वक्ता के रूप में हिस्सा लेने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और कहा कि विश्वविद्यालय का एक ही लक्ष्य है कि हम समाज की उन्नति में योगदान देने वाले शोध करें। प्रोफेसर हरीश पर्यावरण व मटेरियल साइंस को लेकर बहुत उम्दा कार्य कर रहे हैं। प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने शोध में हमेशा पर्यावरण को महत्त्व दिया है। उन्होंने कहा कि वे यूरोपीय और विश्व के महान विज्ञानियों के साथ इस आयोजन में पर्यावरण तथा मैटीरियल की चर्चा करेंगे। उनका मुख्य लक्ष्य पर्यावरण को सुरक्षित रखना तथा देश को प्रदूषण से बचाना तथा सतत विकास है।

इस कान्फ्रेंस का आयोजन एसइआरबी इंडिया और सीएसआइआर नई दिल्ली के तत्वाधान में किया जा रहा है। इस कान्फ्रेंस में विश्व के 20 देशों से अधिक देशों के विज्ञानी हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा राज्य से प्रोफेसर हरीश कुमार को आमंत्रित किया गया है। प्रो. हरीश कुमार ने पर्यावरण व मटेरियल साइंस पर काफी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 14-12-2022**

Two-day National Seminar started at CUH

Urvashi Rana
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : A two-day National Seminar focused on various social, political changes in Jammu-Kashmir and Ladakh before and after the Article 370 began at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Tuesday. In the inaugural session of the seminar organized by the Department of Political Science of the University, Trustee of Indira Gandhi National Center for the Arts, New Delhi and former Vice Chancellor of Central University of Himachal Pradesh Prof. K.C. Agnihotri were present as the Chief Guest. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. Dr. Ramesh Kumar, HoD, Department of Political Science presented the welcome speech. Dr. Shantesh Kumar, Associate Professor of the Department, presented the outline of the topic and told that the purpose behind setting the topic Understanding Jammu, Kashmir and Ladakh: Article 370 and After is mainly to evaluate the changes brought about by this change. He said that definitely the objective of the seminar will be achieved through the experts and researchers involved in this event. Prof. K.C. Agnihotri in his address described the use of terminology important in determining the attitude to be formed on various subjects. Along with its geographical importance in the context of Jammu-Kashmir, he also elaborated on its cultural development and clarified the importance of the region in the context of India. He said that the way to Central Asia opens for India through Gilgit, Baltistan region adjacent to Jammu-Kashmir and Ladakh and the conditions created here are important for India. Prof. Agnihotri highlighted the contribution of Maharaja Ranjit Singh as well as the merger of Jammu and Kashmir with India and the role played by Jawaharlal Nehru, Sardar Patel, Mahatma Gandhi to Lord Mountbatten, Sheikh Abdullah in that process.

Prof. Tankeshwar Kumar said that Prof. Agnihotri's address will certainly provide new opportunities for discussion to the students and researchers. He described the brainstorming in this two-day event helpful in evaluating the changed situation in Jammu and Kashmir.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-12-2022**

धारा-370 खत्म होने से जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के विकास को मिली गति: प्रो. के.सी. अग्निहोत्री

■ हकेंवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार की शुरूआत

महेंद्रगढ़, 13 दिसम्बर (मोहन, स.ह.): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को धारा-370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक बदलावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सैमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.सी. अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि अंडर स्टैंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाख: आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है।

प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों के सवालों के दिए जवाब

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस 2 दिवसीय आयोजन में होने वाले मंथन को धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बदली परिस्थितियों के मूल्यांकन में मददगार बताया और कहा कि अवश्य ही इस विषय में शोध कर रहे विद्यार्थियों को इस आयोजन से लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया।

इस सत्र का संचालन सेमिनार के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने किया, जिसमें प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बी.पी. सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। जिनमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों व शोधार्थियों के माध्यम से सैमिनार के उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. के.सी. अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न विषयों को लेकर बनने वाले दृष्टिकोण के निर्धारण में शब्दावली के उपयोग को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में इसके भौगोलिक महत्व के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और भारत के संदर्भ में क्षेत्र विशेष की महत्ता को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख से लगे गिलगित, बाल्टिस्तान क्षेत्र के माध्यम से भारत के लिए मध्य एशिया का रास्ता खुलता है और यहां बनी परिस्थितियां भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लॉर्ड माऊंट बेटन, शेख अब्बदुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने प्रमाणों के आधार पर उस समय की परिस्थितियों और उसके चलते जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के लागू होने और उससे मूल निवासियों को हुए नुक्सान का उल्लेख करते हुए मौजूदा परिस्थितियों में इसके हटने से आए बदलावों का उल्लेख किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-12-2022**

सेमिनार

हकेंविवि में हुआ दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

'समस्या नहीं पीड़ित रहा है जम्मू-कश्मीर और लद्दाख'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का बुधवार को समापन हो गया है।

विवि के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि ऑर्गनाईजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर रहे। सत्र की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। केतकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्र को दशकों तक एक समस्या के रूप में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया, जबकि हकीकत देखें तो यह क्षेत्र इस झूठे व भ्रामक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पीड़ित बना रहा। केतकर ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र को लेकर आजादी के पहले व बाद विभिन्न राजनैतिक पक्षों को स्पष्ट करते हुए कहा कि किस तरह से इस क्षेत्र को एक समस्या के रूप में स्थापित किया गया और धारा 370 के खत्म होने के बाद से वहां किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दो दिवसीय आयोजन के लिए राजनीति विज्ञान विभाग की सराहना की और कहा अवश्य ही इन दो दिनों में हुए मंथन के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में आ रहे बदलावों को जानने समझने में शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोद्यार्थियों को मदद मिलेगी। कुलसचिव ने आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ, वक्ताओं व शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों, शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया। समापन सत्र से पहले जवाहर लाल नेहरू विवि में सहायक आचार्य डॉ. आयुषी केतकर, दिल्ली विवि में सहायक आचार्य डॉ. अमित सिंह ने विस्तार से इस क्षेत्र में आए बदलावों पर प्रकाश डाला। अंत में सेमिनार के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह आचार्य डॉ. शांतेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रफुल्ल केतकर का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 15-12-2022**

दशकों तक संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे जम्मू-कश्मीर व लद्दाख, कुछ लोगों ने अपने हिसाब से यहां शासन चलाया

हरियाणा केंद्रीय विवि में हुआ आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का बुधवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में ऑर्गेनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर उपस्थित रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

मुख्यातिथि प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्र को दशकों तक एक समस्या के रूप में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया जबकि जमीनी हकीकत देखें तो यह क्षेत्र इस झूठे व भ्रामक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पीड़ित बना रहा।

समापन सत्र की शुरुआत में विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों से उनका परिचय कराया। प्रफुल्ल केतकर ने अपने संबोधन में विस्तार से जम्मू -कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र को लेकर आजादी के पहले व बाद विभिन्न राजनैतिक पक्षों को स्पष्ट करते हुए बताया कि किस तरह से इस क्षेत्र को एक समस्या के रूप में स्थापित किया गया और धारा 370 के खत्म होने के बाद से वहां किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र शायद ही भारत का ऐसा क्षेत्र था। जहां संविधान से इतर नियम कायदे लागू किए गए। दशकों तक इस क्षेत्र में आमजन को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया और कुछ खास लोगों ने अपनी सहूलियत के हिसाब से शासन प्रशासन को चलाया।

राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर का श्रीफल देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने दो दिवसीय इस आयोजन के समूचे राजनीति विज्ञान विभाग की सराहना की। कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने कहा कि राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित यह सेमिनार विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों को जम्मू, कश्मीर व लद्दाख क्षेत्र के इतिहास, वर्तमान और भविष्य की राह को जानने समझने का नया नजरिया प्रदान करेगा। समापन सत्र से पूर्व में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. आयुषी केतकर, दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. अमित सिंह ने विस्तार से इस क्षेत्र में आए बदलावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सेमिनार के संयोजक डॉ.राजीव कुमार सिंह ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह आचार्य डॉ. शांतेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 15-12-2022**

जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में अब हो रहा विकास

- हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार का हुआ समापन
- मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर ने सेमिनार को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में अनुच्छेद-370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद आए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का बुधवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आर्गेनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर उपस्थित रहे।

समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्र को दशकों तक एक समस्या के रूप में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया जबकि जमीनी हकीकत देखें तो यह क्षेत्र इस झूठे व भ्रामक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पीड़ित बना रहा। विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों से उनका परिचय कराया। प्रफुल्ल केतकर ने अपने संबोधन में विस्तार से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र को लेकर आजादी के पहले व बाद विभिन्न राजनीतिक पक्षों को स्पष्ट करते हुए बताया कि किस तरह से इस क्षेत्र को एक समस्या के रूप में स्थापित किया गया। विधान सभाओं का परिसीमन हो या फिर यहां महिलाओं को मिलने वाले अधिकारों की बात हो सभी को कुछ विशेष उद्देश्यों के चलते प्रभावित किया गया और उसी का परिणाम रहा कि यह क्षेत्र शेष भारत के अन्य राज्यों के अनुरूप विकास का भागीदार नहीं बन पाया। सही मायने में अब यह क्षेत्र शेष भारत के साथ जुड़कर आगे बढ़ रहा है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इन दो दिनों में हुए मंथन के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में आ रहे बदलावों को जानने-समझने में शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित यह सेमिनार विद्यार्थियों, शोधार्थियों को जम्मू, कश्मीर व लद्दाख क्षेत्र के इतिहास, वर्तमान व भविष्य की राह को जानने समझने का नया नजरिया प्रदान करेगा। उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर(दाएं से दूसरे) का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर● संस्था

शिक्षकों और शोधार्थियों ने सेमिनार में पेश की रिपोर्ट

कुलसचिव ने आयोजन में सम्मिलित सभी विशेषज्ञ वक्ताओं व शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों व शोधार्थियों का भी आभार व्यक्त किया। समापन सत्र से पूर्व में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डा. आयुषी केतकर, दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डा. अमित सिंह ने विस्तार से इस क्षेत्र में आए बदलावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सेमिनार के संयोजक डा. राजीव कुमार सिंह ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह आचार्य डा. शांतेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 15-12-2022**

समस्या नहीं पीड़ित रहा है जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख: प्रफुल्ल केतकर

■ धारा 370 के हटने से भारत से सीधे तौर पर जुड़ा है क्षेत्र

महेंद्रगढ़ 13 दिसम्बर (स.ह. /मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद आए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक बदलावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार का बुधवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सैमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में ऑर्गेनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर उपस्थित रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। मुख्यातिथि प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्र को दशकों तक एक समस्या के रूप में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया जबकि जमीनी हकीकत देखें तो यह क्षेत्र इस झूठे व भ्रामक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पीड़ित बना रहा। समापन

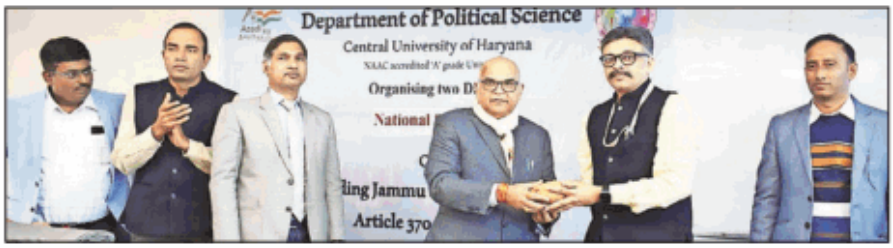

राष्ट्रीय सैमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रफुल्ल केतकर का श्रीफल देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

सत्र की शुरूआत में विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों से उनका परिचय कराया।

केतकर ने अपने संबोधन में विस्तार से जम्मू -कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र को लेकर आजादी के पहले व बाद विभिन्न राजनीतिक पक्षों को स्पष्ट करते हुए बताया कि किस तरह से इस क्षेत्र को एक समस्या के रूप में स्थापित किया गया और धारा 370 के खत्म होने के बाद से वहां किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र शायद ही भारत का ऐसा क्षेत्र था जहां संविधान से इतर नियम कायदे लागू किए गए। दशकों तक इस क्षेत्र में आमजन को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया और कुछ खास लोगों ने अपनी सहूलित के हिसाब से शासन प्रशासन को चलाया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में 2 दिवसीय इस आयोजन के समूचे राजनीति विज्ञान विभाग की सराहना की और कहा अवश्य ही इन 2 दिनों में हुए मंथन के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में आ रहे बदलावों को जानने-समझने में शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोद्यार्थियों को मदद मिलेगी। कुलपति ने इस मौके पर कहा कि यकीनन धारा 370 के पहले और बाद की स्थिति में भारी बदलाव जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में देखने को मिल रहा है जिसे बीते 2 दिनों में विशेषज्ञों ने प्रमाणिक रूप से हमारे समक्ष प्रस्तुत भी किया।